भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या-19
उत्तर देने की तारीख-20/07/2026

सरकारी विद्यालयों में डिजिटल सुविधाओं की कमी और शिक्षा की गुणवत्ता

†*19. **श्री मनोज कुमार:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने सासाराम लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र (बिहार) के सरकारी विद्यालयों, विशेषकर ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में डिजिटल सुविधाओं की कमी और शिक्षा की गुणवत्ता का कोई आकलन किया है;
(ख) यदि हां, तो डिजिटल शिक्षण के लिए स्मार्ट कक्षाओं, इंटरनेट कनेक्टिविटी और प्रशिक्षित शिक्षकों की उपलब्धता सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार का विचार उक्त क्षेत्र में डिजिटल अवसंरचना और अधिगम परिणामों में सुधार लाने के लिए समग्र शिक्षा जैसी योजनाओं के अंतर्गत विशेष धनराशि आवंटित करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) सासाराम के सभी सरकारी विद्यालयों में बुनियादी डिजिटल और शैक्षिक अवसंरचना प्रदान किए जाने की समय-सीमा क्या है?

उत्तर
शिक्षा मंत्री
(श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

सरकारी विद्यालयों में डिजिटल सुविधाओं की कमी और शिक्षा की गुणवत्ता के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री मनोज कुमार द्वारा दिनांक 20.07.2026 को पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 19 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) और (ख): 'शिक्षा'विषय भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची-।।। (समवर्ती सूची) में है और बहुसंख्य स्कूल संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं। इसलिए, सरकारी स्कूलों में डिजिटल बुनियादी ढांचे का विकास सहित गुणवत्तापूर्ण स्कूल शिक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की है।

बिहार राज्य सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सासाराम लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में डिजिटल बुनियादी ढांचे की उपलब्धता का विवरण इस प्रकार है:

	प्रारम्भिक स्कूल	**माध्यमिक स्कूल**	**कुल**
स्कूलों की कुल संख्या	828	255	1083
स्मार्ट कक्षाएँ	118	163	281
आईसीटी प्रयोगशालाएँ	37	199	236

बिहार राज्य सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार, सासाराम लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के स्कूलों में 404 प्रशिक्षित शिक्षक/कम्प्यूटर शिक्षक और 236 आईसीटी प्रयोगशाला अनुदेशक उपलब्ध हैं।

बिहार राज्य सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार, सासाराम लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के स्कूलों में इंटरनेट सुविधा की उपलब्धता का विवरण निम्नानुसार है:

	प्राथमिक	प्रारम्भिक	माध्यमिक	कुल
स्कूलों की कुल संख्या	1051	828	255	2134
इंटरनेट सुविधा वाले स्कूलों की संख्या	990	785	242	2017

(ग) और (घ): केंद्र प्रायोजित योजना 'समग्र शिक्षा' के तहत, डिजिटल बुनियादी ढांचे सहित विभिन्न मध्यवर्तनों के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। बिहार सहित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के लिए उनकी आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के आधार पर वार्षिक कार्य योजना और बजट (एडब्ल्यूपीएंडबी) तैयार किया जाता है। इसके बाद, एडब्ल्यूपीएंडबी का मूल्यांकन/अनुमोदन परियोजना अनुमोदन बोर्ड (पीएबी) द्वारा योजना

के कार्यक्रम संबंधी और वित्तीय मानदंडों तथा बजटीय संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत *राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को एकमुश्त निधियां जारी की जाती हैं और बिहार सहित संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा घटक-वार और जिला-वार निधियों का आगे वितरण किया जाता है।*

वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान, आईसीटी प्रयोगशालाओं, स्मार्ट कक्षाओं और विषय-विशिष्ट प्रयोगशालाओं की उपलब्धता में सुधार करने की दृष्टि से, बिहार राज्य के लिए समग्र शिक्षा के तहत 2400.11 करोड़ रुपये की राशि अनुमोदित की गई ताकि 3478 भौतिकी प्रयोगशालाओं, 3508 रसायन विज्ञान प्रयोगशालाओं, 3545 जीव विज्ञान प्रयोगशालाओं, 4044 विज्ञान के साथ एकीकृत गणित प्रयोगशालाओं, 3478 भौतिकी प्रयोगशाला उपकरण, 3508 रसायन विज्ञान प्रयोगशाला उपकरण और 3478 जीव विज्ञान प्रयोगशाला उपकरण, 1459 आईसीटी प्रयोगशालाएं और 6,113 स्मार्ट कक्षाओं की स्थापना की जा सके।

वित्तीय वर्ष 2026-27 में बिहार राज्य के लिए समग्र शिक्षा के तहत पीएबी द्वारा 10,376.98 करोड़ रुपये के एडब्ल्यूपीएंडबी को अनुमोदन दिया गया है जिसमें से 122.73 करोड़ रुपये 'आईसीटी और डिजिटल पहल' के तहत अनुमोदित किया गया हैं।

बिहार राज्य सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, सासाराम लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में डिजिटल बुनियादी ढांचे और अधिगम के परिणामों में सुधार करने के लिए निधि का प्रस्तावित आवंटन इस प्रकार है:

क्र.सं.	विवरण	संख्या	इकाई लागत (रुपये करोड़ में).	कुल राशि (रुपये करोड़ में)
1.	स्मार्ट कक्षाएँ	92	0.024	2.20
2.	आईसीटी प्रयोगशालाएँ	56	0.064	3.58

सरकार ने डिजिटल अधिगम को बढ़ावा देने और स्कूल की शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए कई कदम उठाए हैं जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

क) पीएम ई-विद्या के तहत, बिहार को स्कूल के छात्रों के लिए पाठ्यक्रम-आधारित शैक्षिक विषय वस्तु प्रदान करने के लिए पांच विशिष्ट डीटीएच टीवी चैनल (बीआर पीएम ईविद्या 63-67) आवंटित किया गया है।

ख) ज्ञान सहभाजन के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचा (दीक्षा) जो स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म है, बिहार सहित सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को क्यूआर-कोडेड डिजिटल पाठ्यपुस्तकें, ई-विषय वस्तु और आभासी प्रयोगशालाएं प्रदान करता है।

ग) 3-8 वर्ष की आयु के बच्चों के शिक्षकों और माता-पिता के लिए तैयार किया गया ई-जादूई पिटारा तीन चैट बॉटों कथा सखी, शिक्षक तारा और माता-पिता तारा के माध्यम से माता-पिता और शिक्षकों को आकर्षक अधिगम संसाधन और एआई-संचालित सहायता प्रदान करता है.।

*****